(क) 1 जनवरी, 1967 से अब तक भारत से अमरीका को कितनी मात्रा में इस्पात का निर्यात किया गया; और

(ख) इसके फलस्वरूप सरकार ने कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की ?

इस्पात और भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) और (ख). 1 जनवरी, 1967 से 30 नवम्बर 1968 तक की अवधि में अमरीका को 1168.440 टन इस्पात का निर्यात किया गया, जिसका जहाज तक निःशुल्क मूल्य 664,404 रुपये था।

हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन, रांची

1081. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री ज्योतिर्मय बसु :
श्री अ० कु० गोपालन :
श्री राममूर्ति :
श्री मुहम्मद इस्माइल :

क्या **औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हैवी इंजीनयरिंग कारपोरेशन, रांची के सैक्टर 2, साइट 5 में रहने वाले हिन्दू कर्मचारियों को अपने क्वार्टर खाली करने के लिये कहा गया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि वहां पर मुसलमान कर्मचारियों को क्वाटर दिये जा रहे हैं, जिससे वे सब एक ही बस्ती में मुस्लिम कर्मचारियों के साथ सामूहिक रूप से रह सकें;

(ग) क्या अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित कर्मचारियों को एक अलग बस्ती में सामूहिक रूप से बसाया जा रहा है;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार इस कार्यवाही को अनुचित नहीं समझती; और

(ङ) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

इस्पात, और भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र पन्त) : (क) से (ङ). इस प्रश्न पर औद्योगिक और समवाय-कार्य मंत्री ने 2 दिसम्बर 1968 को राज्य-सभा में ध्यान-आकर्षण प्रस्ताव के उत्तर में एक वक्तव्य दिया था। इस वक्तव्य में स्थिति पूरी तरह स्पष्ट की गई है। वक्तव्य की प्रति संलग्न है।

विवरण

अगस्त, 1967 की घटनाओं के पश्चात् हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन के मुसलमान कर्मचारियों को 'आर्टिजन होस्टल' नामक इमारत में स्थानान्तरित कर दिया गया था, वे तभी से इस इमारत में जहां कि रहने की जगह कम और स्वास्थ्यप्रद नहीं है, रह रहे हैं। उनमें अधिकांश परिवार एक-एक कमरे में रहते हैं। इनमें से बहुत से कर्मचारियों ने अपने परिवारों को घर भेज दिया है। ये औद्योगिक कर्मचारी जो अलग रह रहे थे उनके इस एक स्थान पर एकत्रित हो जाने से अवान्छनीय परिस्थितियां उत्पन्न हो गई हैं। हैवी इंजीनियरिंग निगम के अध्यक्ष ने मुस्लिम कर्मचारियों से अपने क्वाटरों में वापस जाने का आग्रह करने की दृष्टि से अनेक बार परामर्श किया है। मुस्लिम कर्मचारियों ने अभ्यावेदन दिया है कि अपने क्वाटरों में वापस जाने में वे स्वयं को अभी इतना सुरक्षित नहीं समझते हैं क्योंकि काम के समय में कारखाने में उपस्थित रहने पर वे अपने बीवी बच्चों को घर पर छोड़ सकें। स्थान सीमित होनेके कारण, आर्टिजन होस्टल में मुसलमान कर्मचारी और उनके परिवारों को आवास देना सम्भव नहीं है।

साम्प्रदायिक झगड़ों से पूर्व अधिकांश मुस्लिम कर्मचारी सैक्टर II के साईट V में रहते थे । हैवी इंजीनियरिंग निगम के प्रबन्धकों ने 100 मुस्लिम कर्मचारियों को इस स्थान पर भेजने का सुझाव दिया था क्योंकि इस सैक्टर में लगभग 40 घर गत वर्ष मुस्लिम कर्मचारियों ने खाली किये थे । यदि हिन्दू निवासी 50 या 60 अतिरिक्त घरों को इस क्षेत्र में खाली कर देते तो प्रबन्धक मुस्लिम कर्मचारियों के एक समूह को इस क्षेत्र में बसाने का प्रबन्ध करते । तदनुसार प्रबन्धकों ने इस क्षेत्र के निवासियों के नाम एक सार्वजनिक निवेदन निकाला था और उसमें यह प्रस्ताव किया था कि जो कोई स्वेच्छा से अपने मकान खाली करेंगे उन्हें दूसरा मकान प्रदान किया जायेगा । और जो कोई स्थान परिवर्तन करना चाहते हैं उनसे निवेदन किया गया था कि वे नगर के प्रशासक प्राधिकारी को सूचित करें । ताकि वे इस सम्बन्ध में उचित प्रबन्ध कर सकें । यह कहना ठीक नहीं कि उन्हें मकान खाली करने के लिए डराया धमकाया गया था या उन्हें वहां से चले जाने के लिए विवश करने के लिए कभी सोचा भी गया था या उस पर अमल किया गया था । तो भी राजनैतिक लोगों द्वारा उकसाये हुए लोगों के कुछ समूहों ने हैवी इंजीनियरिंग निगम के कैम्पस में प्रवेश कर प्रतिदिन सभायें कीं और गलत अफवाहें फैलाई कि सैक्टर II के साईट V के हिन्दू निवासियों को मुस्लिम लोगों के लिए जगह खाली करने के लिए बाध्य किया जा रहा है । स्पष्टतः यह साम्प्रदायिक भावना को उकसाने के लिए किया गया था । इस स्थान का चयन करने का लाभ यह था कि 3 दर्जन मकान जिनमें पहले मुस्लिम वर्ग के लोग रहते थे पहले ही खाली है यदि अन्य 60 मकान और उपलब्ध हो जाते हैं तो समस्या बहुत अंशों तक सुलझ जाती है । स्थानान्तरण की इस योजना पर विचार-विमर्श किया गया था और सभी ट्रेड यूनियनों ने जिसमें श्रमिक संघ भी सम्मिलित है इसे सामान्यतः मान लिया था ।

यह सभी कार्य शान्तिपूर्वक चल रहा था और आशा थी कि सहकर्मी मुस्लिम साथियों के बसाने के लिए स्वेच्छा से कुछ मकान खाली हो जायेंगे । साईट V में तीन दर्जन से अधिक आवासियों ने मुस्लिम साथियों के आवास के लिए मकान खाली करने के लिए लिखकर भी दे दिया था । अकस्मात् कुछ राजनीति से प्रेरित लोगों ने कैम्प नं० 5 के लोगों पर दबाव डालने और उन्हें भयभीत करने का अभियान प्रारम्भ किया । कुछ राजनीतिक दलों और शहर से आए कार्यकर्त्ताओं ने कैम्प नं० 5 में आकर वहां के रज़ामन्द कर्मचारियों को वहां से जाने से रोकने के लिए सभाओं का आयोजन किया, यद्यपि वहां पर धारा 144 लागू थी । अनुशासनहीनता की कुछ कार्यवाहियां भी दृष्टिगत हुई और लगभग 80 कर्मचारी बिना छुट्टी लिए ही कर्मशाला से अनुपस्थित हो गए । जब उनको अनुशासनात्मक कार्यवाही का ज्ञान कराया गया तो वे भी उस दबाव डालने के अभियान में सम्मिलित हो गए । यदि एक विशिष्ट राजनीतिक दल के कार्यकर्ता शहर से आकर अन्यत्र जाने के लिए राज़ी कर्मचारियों के विधिवत तथा शान्तिपूर्ण रूप से हटाये जाने के काम में हस्तक्षेप न करते तो यह योजना सफल रहती । बस्ती से बाहर के लोग हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन की बस्ती में लगातार आते रहे और उन्होंने धारा 144 के उल्लंघन का वातावरण बनाया और उन्होंने कारपोरेशन के एक अधिकारी को सम्बन्धित व्यक्तियों को स्थिति के स्पष्टीकरण से रोका ।

5. प्रबन्धकों की योजना के अन्तर्गत मुसलमानों की आबादी के एक ही स्थान में जमाव को रोकने का प्रयास किया जा रहा था तो राजनीति से प्रेरित व्यक्तियों ने यह अफवाह फैला दी कि समूचे सेक्टर 2 को

अधिकारियों द्वारा बलात् खाली करवाया जा रहा है और नया निर्माण भी किया जा रहा है तथा सभी मुस्लिम कर्मचारियों को एक ही स्थान में फिर बसाया जा रहा है और उन्हें विशाल रांची शहर में अन्य मुसिलमानों से सम्पर्क स्थापित करने की सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं । हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन के प्रबन्धकों की योजना केवल इतनी थी कि मुस्लिम कर्मचारियों को बस्ती के कई हिस्सों में बसाया जाय जिससे कि उनमें मेलजोल की भावना तथा सुरक्षा की भावना का निर्माण हो ।

6. हाल ही में कारपोरेशन के प्रबन्धकों ने विभिन्न सैक्टरों में अतिरिक्त मकान निर्माण करने का निश्चय किया है ताकि इन कर्मचारियों का पुनर्वास किया जाए । इस काम के लिए चालू वर्ष में 20 लाख रुपये व्यय करने का विचार है ।

7. जानबूझ कर ऐसे संशय का निर्माण किया गया कि प्रबन्धक विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में हिन्दू कर्मचारियों पर अपने वर्तमान स्थान से निकलने के लिए दबाव डाल रहे हैं ताकि इस प्रकार खाली किए जाने वाले मकानों का आवन्टन मुस्लिम कर्मचारियों को किया जाए । प्रबन्धकों ने इस विषय में सार्वजनिक घोषणा की है । वास्तव में प्रयास तो यह किया गया है कि मुस्लिम कर्मचारियों के एक ही स्थान पर अर्थात् आर्टीजन होस्टल में वर्तमान जमाव को तोड़ा जाय और उन्हें बस्ती के विभिन्न हिस्सों में बांटा जाय ताकि एक तरफ तो उनके एक ही स्थान पर जमाव को रोका जा सके और दूसरी ओर उनमें सुरक्षा की भावना उत्पन्न हो सके । इस प्रयत्नों में अनुरोध से काम लिया गया और स्वेच्छा से ही अन्यत्र चले जाने के निवेदन के आधार पर ही सारी कार्यवाही की गई है ।

Demand for Indian Roses in Foreign Countries

1082. SHRI BAL RAJ MADHOK:
SHRI RANJIT SINGH:
SHRI D. C, SHARMA:
SHRI BENI SHANKER SHARMA:
SHRI HARDAYAL DEVGUN :

Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state:

(a) whether Indian roses are in great demand in foreign markets particularly in Europe and America;

(b) if so, the steps taken to explore those markets; and

(c) the outcome thereof ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK): (a) No, Sir. There is, however, a possibility of developing export markets in Western Europe during the winter season when there is a shortage of out flowers in those countries.

(b) In order to encourage exports of cut flowers, Air India is offering concessional freight rates. The State Trading Corporation is also investigating the marketing possibilities of Indian roses and is currently sending small consignments on experimental basis.

(c) It is too early to form any definite view on the potentiality of exports of Indian roses.

Aversion of Train Mishap Near Muzaffarpur

1083. SHRI SAMAR GUHA:
SHRI P. VISWAMBHARAN:
SHRI K. LAKKAPPA:
SHRI SURENDRANATH:
DWIVEDY:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state: